भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1281
उत्तर दिनांक 31/07/2025 को दिया गया

एनएसजी की सदस्यता के लिए भारत का आवेदन

1281. श्री मिलिंद मुरली देवरा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) क्या परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) की सदस्यता के लिए भारत का आवेदन अभी भी विचाराधीन है;
- (ख) यदि हाँ, तो एनपीटी के हस्ताक्षरकर्ताओं में शामिल न होने के बावजूद एनएसजी की सदस्यता हासिल करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और
- (ग) भारत की परमाणु साख और असैन्य परमाणु समझौतों पर अब तक क्या अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया रही है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) भारत की नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) सदस्यता के लिए आवेदन, समूह के पास विचाराधीन है। सरकार भारत के आवेदन पर निर्णय लेने के लिए एनएसजी और उसके सदस्यों से उपयुक्त स्तरों पर लगातार संपर्क बनाए हुए है।
- (ख) भारत नाभिकीय आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) और इसके सदस्य देशों के साथ उपयुक्त स्तरों पर समूह की सदस्यता प्राप्त करने के लिए कार्यशील है। भारत एनएसजी का सदस्य नहीं है और इसलिए इसकी आंतरिक चर्चाओं की जानकारी नहीं है। हालाँकि, यह जानकारी प्राप्त हुई है कि किसी सदस्य ने भारत की सदस्यता का स्पष्टतया विरोध नहीं किया है, किंतु कुछ सदस्यों द्वारा प्रक्रियात्मक आपत्तियां उठाई गई हैं, जो भारत के एनपीटी (परमाणु अप्रसार संधि) पर हस्ताक्षर नहीं करने के आधार पर की गई हैं। एनपीटी पर भारत का रुख अपरिवर्तित बना हुआ है। एनएसजी में शामिल होने की पूर्व शर्त के रूप में एनपीटी पर हस्ताक्षर करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।
- (ग) भारत का नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम अच्छी तरह से विकसित और स्वदेशी तकनीकी पर आधारित है, साथ ही भारत की परमाणु अप्रसार की साख भी मज़बूत है। भारत ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग में सहयोग के लिए प्रमुख साझेदारों के साथ अंतर-सरकारी समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और इन समझौतों के तहत निरंतर प्रगति हो रही है।